न्यायालय जिला कलक्टर, पाली

पीठासीन अधिकारी : श्री अंश दीप, आई.ए.एस.

राजस्व विविध : 21/2020
जी.सी.एम.एस. : 2020/00237

प्रार्थी	बनाम	अप्रार्थीगण
राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार (भूमिधारी) सुमेरपुर जिला पाली		हीराराम पुत्र केसाराम, जाति मेगवाल, निवासी धनापुरा, तहसील सुमेरपुर, जिला पाली राजस्थान

न्यायालय जिला कलेक्टर पाली (राजस्थान)

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत नियम 14(4) राजस्थान भू राजस्व (कृषि प्रयोजनार्थ भूमि आंवटन) नियम 1970

उपस्थित :– प्रार्थी की ओर से सुरेन्द्र सिंह लबाना

–: निर्णय :–

दिनांकः– 10.11.2021

तहसीलदार सुमेरपुर द्वारा यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत राजस्थान भू राजस्व (कृषि प्रयोजनार्थ आवंटन) नियम 1970 के नियम 14(4) के तहत विरूद्ध अप्रार्थी के उसके हक में दिनांक 8.2.2013 को ग्राम धनापुरा खसरा नंबर 131/352 रकबा 0.32 हैक्टेयर किस्म चाही दोयम जायद दोयम भूमी का आवंटन किया गया जिसे निरस्त कराने हेतु पेश किया है। अप्रार्थी को जरिये नोटिस तलब किया गया एवं मूल आवंटन रेकर्ड मंगवाया गया। अप्रार्थी बावजूद नोटिस तामील के अनुपस्थित रहने पर उसके विरूद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर बहस सरकारी पैरोकार सुनी गई।

वक्त बहस सरकारी पैरोकार ने कथन किया कि अप्रार्थी हीराराम पुत्र केसाराम जाति मेगवाल निवासी धनापुरा तहसील सुमेरपुर को उपखण्ड अधिकारी सुमेरपुर द्वारा दिनांक 8.2.2013 को ग्राम धनापुरा के खसरा नंबर 131/352 रकबा 0.32 हैक्टेयर किस्म चाही दोयम जायद दोयम भूमी का आवंटन किया गया तथा अप्रार्थी को जरिये नामान्तरकरण संख्या 275 के गैर खातेदार दर्ज किया गया। आवंटी अथवा उसके वारिसान का आवंटित भूमी पर आदिनांक तक कब्जा काश्त नहीं है उपखण्ड अधिकारी सुमेरपुर से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार आवंटीत उपरोक्त आराजी पर तेजसिंह, लादूसिंह, छैलसिंह पिसरान रणजीतसिंह नाम के अन्य व्यक्तियों का कब्जा है। आवंटन के लिए आवेदन पत्र पर नियम 8(1–क) के अनुसार विवाहित कृषक को पति पत्नी दोनों द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत करना होता है। जबकि प्रार्थी द्वारा अकेले ही आवेदन किया गया है पत्रावली संलग्न नकल गिरदावरी संवत 2072–76 के अनुसार आवंटित आराजी पर कब्जा नहीं होना स्पष्ट है जबकि खातेदारी अधिकार प्राप्त करने बाबत नियम 18(4) के अनुसार आवंटी को प्रथम वर्ष के 50 प्रतिशत भूमी पर तथा दूसरे वर्ष में शेष क्षेत्र की भूमी पर भी काश्त करनी होती है जो नही की गई है इस लिए आवंटन निरस्त योग्य है। आवंटी को कब्जा 1 माह में नही देने पर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कब्जा प्राप्ति हेतु आवेदन करना चाहिए था जो वक्त आवंटन सन् 2013 से आज तक नहीं किया गया है अतः आवंटी को किया गया उक्त आवंटन निरस्त फरमाया जावे।

बहस सुनी गई पत्रावली का अवलोकन किया गया आंवटी ने दिनांक 8.2.2013 को राजस्थान भू राजस्व (कृषि प्रयोजनार्थ आवंटन) नियम 1970 के तहत किया गया था उक्त आवंटन ग्राम धनापुरा पटवार हल्का बामनेरा के खसरा नंबर 131/352 रकबा 0.32 हैक्टेयर किस्म चाही दोयम व जायद दोयम भूमी का आवंटन किया गया था उक्त आराजी पर आवंटी अप्रार्थी का आदिनांक कब्जा काश्त नहीं है जो पत्रावली संलग्न नकल गिरदावरी से स्पष्ट है उपखण्ड अधिकारी सुमेरपुर से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार आवंटित भूमी पर अन्य व्यक्तियों का कब्जा काश्त होना बताया है। तथा आवंटी को प्रथम वर्ष में 50 प्रतिशत भूमी पर काश्त करनी होती है तथा शेष भूमी पर द्वितीय वर्ष में करनी होती है लेकिन गिरदावरी अनुसार भूमी पड़त है आवंटी का कब्जा काश्त आदिनांक तक नहीं है आवंटी को आंवटन के एक माह में कब्जा प्राप्त करना होता है अगर कब्जा नहीं दिया गया तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष 1 माह के बाद प्रार्थना पत्र कब्जा प्राप्ति हेतु पेश करना था जो नहीं किया गया है इस प्रकार आवंटित आराजी पर आवंटी द्वारा कब्जा काश्त एवं कृषि नहीं कर आवंटन शर्तों की पालना नहीं की जाने से आवंटन निरस्त किया जाना विधिसम्मत है।

परिणामस्वरूप प्रार्थी तहसीलदार सुमेरपुर का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है आवंटी अप्रार्थी हीराराम पुत्र केसाराम मेगवाल [illegible] धनापुरा तहसील सुमेरपुर के पक्ष में दिनांक 8.2.2013 को ग्राम धनापुरा पटवार [illegible] के खसरा नंबर 131/352 रकबा 0.32 हैक्टेयर किस्म चाही दोयम [illegible] आवंटन उपखण्ड अधिकारी सुमेरपुर द्वारा किया गया उसे निरस्त [illegible] आराजी को पुनः राज्य स[illegible] के हक में सिवायचक दर्ज करने के आदेश दिए जाते है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Ansh Deep Ralh
Date: 2022.01.30 09:32:45 IST
Reason: SelfAttested

निर्णय आज दिनांक 10.11.2021 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर शामिल मिसल किया गया।

(अंश दीप)
जिला कलक्टर, पाली
जिला कलेक्टर, पाली